

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वाधान में आयोजित हुआ महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

स्वामिनान जैसे वार्षिक अभियान को आयोजित करके इसे प्राप्त करने का प्रयास करता है।

तेज्युग न्यूज़
बरेली: दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संतुलन समग्र महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को पहचानता है। स्वामिनान जैसे वार्षिक अभियान को आयोजित करके इसे प्राप्त करने का प्रयास करता है, जो न केवल संवेदनों को उत्पन्न करता है, बल्कि नारी शक्ति का उत्सव भी मनाता है।

इस अभियान के तहत, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने महात्मा ज्योतिबा पुरुषे रोहिलखंड विवि के साथ मिलकर बरेली शाखा ने महात्मा ज्योतिबा पूरुषे रोहिलखंड विवि के एम्बेए अटिक्रमरियम में एक जगरूकता पैदा करने वाला कार्यक्रम आयोजित किया। एक माह चलने वाला यह अधियानों को संपूर्ण रूप से सशक्त बनाने के अपने उद्देश्य के साथ, एक आदर्श महिला के बोर में सामाजिक मान्यताओं को खंडन करता है। और इसके साथ महिलाओं की खोई हुई गरिमा और उनके द्वारा दिए गए महान योगदानों पर चर्चा भी करता है। इस वर्ष इसका लक्ष्य एक महिला द्वारा अपने जीवन के चुनौतीपूर्ण गतियों को समाज के समझ लाना है और समाज की मानसिकता में बदलाव लाना है।



उत्प्रेक्षक की भूमिका निभाना है। कैसे प्रान्तीन नारी आश्यानिक मार्ग के माध्यम से विजयीशील रही और कौन से युग ऐसे प्रतिष्ठित महिला का निर्माण करते हैं। यह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महात्मा ज्योतिबा पुरुषे रोहिलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति के पों. सिंह, महिला समन्वयकर्ता प्रो. संतोष अरोड़, प्रो. उत्तरायन कौर, बरेली शिक्षिका विभाग प्रो. जीवन जौहरी, बद्रांत हायिटल से पैथेजिस्ट विभाग से डिप्टी महिला आयोग से डिप्टी

डायरेक्टर नीता अहिवार, डॉ. प्रिया सक्सेना, डॉ. प्रतिमा साराग, प्रो. तुमि खेर, प्रो. रशिम अग्रवाल, प्रो. नलिनी श्रीवास्तव, प्रो. सुधीर कुमार वर्मा, प्रो. ए.के.सिंह, प्रो. पी.वी.सिंह उपस्थित हैं।

कार्यक्रम में सर्व श्री आशुरोप महाराज की शिक्षिका विभाग साधी की आशुरोप महाराज की शिक्षिका भारती ने बताया कि आज महिलाएं बाहरी रूप से चाहे किसी भी सशक्त क्षेत्रों में नहीं हो गई हो लेकिन आधारीक जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

अभियान के संस्थापक व संचालक दिव्य युरु सर्व श्री आशुरोप महाराज जी द्वारा 21वीं सदी की वैदेक नारीयों का निर्माण करने और आज की महिलाओं को यह एहसास कराने के लिए दी गई विचारशाय है कि शक्ति उनके भीतर ही विद्यमान है। बस इसे जारूर करने की आशयकता है, कि जिसे आत्म जाग्रति ब्रह्मजन के माध्यम से प्राप्त भी किया जाए। इस्युदि प्रतिष्ठित महिलाओं की बर्णना है कि जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

अभियान के संस्थापक व संचालक दिव्य युरु सर्व श्री आशुरोप महाराज जी द्वारा 21वीं सदी की अधिकारी के अपने उद्देश्य में चल रहा है और वहाँ की दिशा में चल रहा गंभीर है। आरोप है कि संतेद्र क्षेत्र के गांव वहाँ जब वह इसमें बचने के अपने मिशन में, संगठन समग्र कल्याण जैसे गरीबों की शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नारा उम्मलन, कैदियों के सुधार और युनिवर्सिटी के साथ विद्यालय के साथ सशक्तिकरण जैसे ग्रामीणों के सशक्तिकरण के अधारीकारी के अधिकारी के अपने उद्देश्य में चल रहा है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के अधिकारी को ग्राम पालन के लिए योग्य में भी आयोजन का कहना है।

जीवन के संरक्षक अपूर्व त्रिपाठी और एपिक फाउंडेशन द्वारा आयोजित हुआ शिविर



तेज्युग न्यूज़
मथुरा: उत्तर प्रदेश की जानी मानी सामाजिक कार्यकारी एवं अग्रणी जीव संरक्षक अपूर्व त्रिपाठी की अध्यक्षता में एपिक फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक दिवसीय गैर संवर्धन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी शिविर का आयोजन मथुरा वृद्धावन मार्ग स्थित भारत रत्न मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित हासनवंद गौशाला में कराया गया। हासनवंद गौशाला के असपास के गंव वालों को गक्का पालन के संबंध में विभिन्न लोगों का कहना है कि भविष्य में भी इस प्रकार के अधिकारी का कहना है।

यही अनेक योजनाओं से अवगत कराया गया। जिसमें गोबर से बनने वाले अनेक उत्पाद एवं प्राकृतिक खाद आदि शामिल थे।

पृष्ठ चिकित्सा इत्यादि की जानकारी मिलने से स्थानीय लोगों का कहना है कि उह इस प्रकार के शिविर का विशेष लाभ प्राप्त हुआ है एवं पृष्ठ के स्वास्थ्य आहार एवं चिकित्सा के संबंध में संस्था द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारियों एवं सेवाएं विशेष रूप से लोगों को ग्रामीण भूमिका निभाई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस्यों द्वारा संवेदनशील रूप से लोगों की समस्याओं का निवारण किया जाना विशेष रूप से सराहा गया विशिष्ट अतिथियों में संस्था के अन्य सदस्य ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस प्रकार के समस्याओं को जीवन में उत्तर बिना पूर्ण रूप से सशक्तिकरण हो गई है।

यदि होता है तो उन्हें पृष्ठ संवर्धन के विषय में अनेक जानकारियां एवं संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उनके सेवाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में अनेक कल्याणीयों का निवारण सभव हो सकता है। संस्था के सदस